GOVT. BRENNEN COLLEGE CENTRAL LIBRARY THALASSERY

K20P 0258

Reg. No. : .....

Name : .....

II Semester M.A. Degree (CBSS – Reg./Suppl./Imp.) Examination, April 2020
(2016 Admission Onwards)
HINDI
HIN2E01 : Women Writing in Hindi and Krishna Sobthi

Time : 3 Hours Max. Marks : 80

I. निर्देश : **तीन** प्रश्नों पर निबंध लिखिए । (3×12=36)

1) कृष्णा सोबती की उपन्यास कला पर लिखिए ।

2) महिला कहानी लेखन में प्रभाखेतान और मृदुला गर्ग का स्थान निर्धारित कीजिए ।

3) वर्तमान स्त्री विमर्श की दिशा–और दशा पर प्रकाश डालिए ।

4) स्त्री लेखन की चुनौतियों पर लिखिए ।

5) समकालीन आलोचना के क्षेत्र में महिला लेखन का स्थान व्यक्त कीजिए ।

II. **चार** प्रश्नों के समीक्षात्मक उत्तर लिखिए । (4×5=20)

6) हिंदी कविता के क्षेत्र में महिला लेखन के योगदान पर विचार कीजिए ।

7) मन्नु भंण्डारी की कहानी कला पर लिखिए ।

8) 'ज़िंदगी नामा' उपन्यास को मूल संवेदना पर विचार कीजिए ।

9) हिंदी आत्मकथा के क्षेत्र में महिला लेखन की भूमिका व्यक्त कीजिए ।

10) फ्रेन्च स्त्री विमर्श पर चर्चा कीजिए ।

11) हिंदी कहानी साहित्य के लिए मंजुला भगत को देन पर लिखिए ।

12) 'समय सरगम' उपन्यास को प्रमुख समस्यओं पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

III. निर्देश : **चार** प्रश्नों की समीक्षात्मक व्याख्या कीजिए । **(4×6=24)**

13) बहुत बार रौंदे है, रास्ते, पर पहुँचने की मंज़िल न थी । फिर भी इन राहों पर चलना अच्छा लगता है । रातों में किसी के पास न सोकर भी जीना अच्छा है । और भी अच्छा है इन पावों से चलना-उतरना ।

14) चाहा कोई एक चेहरा, एक नाम याद कर किसी को पुकार सकें, पर चेहरों की भीड़ जैसे फोकस के बाहर हो गई और वक्त का धब्बा बनकर आँखों के सामने दँगी रही ।

15) जिन्हें कभी लौटाना न हो बेटी, उन्हें याद कर-कर बुलाते रहने से उनकी रूह को तकलीफ होती है ।

16) मुझे मोहरा दे दे दोवरा, सौतन मुझसे नहीं देखी जाती । लाख समझती हूँ, पर कॉलेज में भब्भड़ मचे रहते है । मेरा दोक्ख इतना ही न कि अभागी कोख न खुली ।

17) सरफ़राज, ये मामले मदे की मूँछों से नहीं रब्बी जूतों से निबड़ते है । मेरी बात पल्ले बाँध ले । शौदाई तेरा या तो सयाले तक लौट आएगा अपने ठिए पर नहीं तो दल्ला बन बेसवा के गली-कूचों में भटकेगा ।

18) बात सोलह आने सच है । सरकार चाहे पुख्ता हो चाहे फुकरी, किसानों से जिवियों के मामले उठाती रहे तो मुल्क चलता रहेगा ।

19) हर वंदा अपने पिता का अवतार है । याद रखो अवतार वह जिसके दो हाथ है । अवतार वह जिसका मुँह-माथा है । धड़ है । आग है । पीछा है । मेरे बच्चो, अवतार वह है, जो धरती हल से जोतकर पानी से सींचता है । तृप्त करता है । बीज बोता है । फसलें उगाता है ।